मन की वीणा के ये तार टूट जाए न करतार

मन की वीणा के ये तार टूट जाये न करतार ।
बाबा श्याम धनि दातार ओ खाटू वाले श्याम धनि दातार ।

1) जीवन की नैया के दाता तू ही हो खिवैया ।
हम तेरी शरण में आये खाटू के बसैया ।
तुम हो जग के तारणहार मेरे खाटू के सिरदार ।
मेरे श्याम धनि दातार ओ खाटू वाले श्याम धनि दातार ।
मन की वीणा के ये तार...

2) दिल की धड़कन में बस गूंजे नाम तेरा ही दाता।
दिन हो चाहे रात बाबा ध्यान तेरा ही आता ।
बाबा तुम हो लखदातार चलती तेरी ही सरकार।
मेरे श्याम धनी दातार ओ खाटू वाले श्याम धनी दातार ।
मन की वीणा के ये तार...

3) तुम हो खाटू के राजा ओ बाबा शीश के दानी ।
नाम तेरा ही जपते जपते तर गए लाखो प्राणी ।
बेडा कर दो भव से पर 'आलोक' करे तेरी मनुहार ।
बाबा श्याम धनी दातार ओ खाटू वाले श्याम धनी दातार ।
मन की वीणा के ये तार...

(तर्ज) :- लीले घोड़े रा असवार...

भजन रचना :- आलोक जोशी (सूरजगढ़ राजस्थान)
मो :- 9599592340 & 8467018418
निवास :- फरीदाबाद

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1419/title/man-ki-vina-ke-ye-taar-tut-jaaye-na-katar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |